राष्ट्रीय वेबिनार

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार **"रंगीन (एक्वेरियम) मछलियों की पहचान एवं उनके व्यवसायिक महत्व"** का आयोजन हुआ। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ. परोमिता बैनर्जी सावंत, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय मात्स्यिकीय संस्थान, मुंबई द्वारा मीठे एवं खारे जल में पाली जाने वाली रंगीन मछलियों की विभिन्न प्रजातियों, उनकी पहचान, रखरखाव, उनके व्यवसाय तथा प्रजनन के बारे में

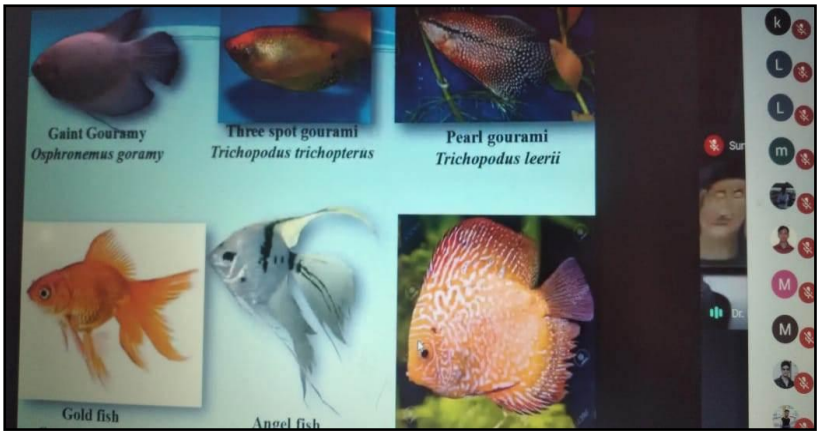

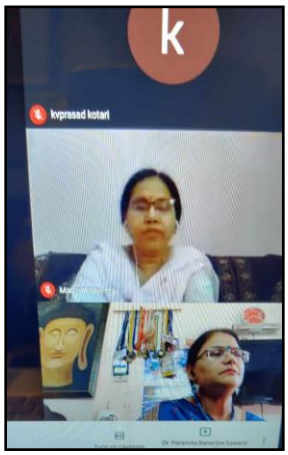

विस्तार से बताया गया। वेबिनार के अंत में डॉ. बी.पी. मोहन्ती, ए.डी.जी. फिशरीज (अंतःजलीय), आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली, द्वारा प्रतिभागियों को विशिष्ट संदेश दिया गया। जिसमें उनके द्वारा रंगीन मछलियों से होने वाले लाभ एवं बेरोजगार युवकों तथा महिलाओं के द्वारा अपने व्यवसाय के रूप में अपनाने के बारे में बताया गया। इस वेबिनार में देश के विभिन्न 18 राज्यों से वैज्ञानिक, छात्र–छात्राएँ शोधकर्ता एवं किसानों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं कोर्स डॉयरेक्टर डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता संकाय एवं अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह–समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा एवं विशेष सहयोग डॉ. शरद सुरनार का रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर